Name of the company	Name of the Formulation	Name of the bulk drug
M/s. Litaka Pharmaceuticals.	Tegretol Syrup 2% 50ml.	Carbamazapine

CIF price adopted Rs./Kg.	CIF weighted average (DGHS) price Rs./Kg.
Rs. 3020	Rs. 1435.81 (1990-91)

(d) No, Sir.

(e) Does not arise.

Gap between consumption and production of fertilizers

729. SHRI KAMAL MORARKA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) what is the estimated gap between projected consumption and estimated production of fertiliser during the Eighth Five Year Plan;

(b) the estimated value of foreign exchange outgo to import fertiliser to meet the gap; and

(c) whether Government have chalked out any strategy to narrow the gap between the Eighth Five Year Plan?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI CHINTA MOHAN): (a) On the basis of production from the existing plant, production to be available from the projects currently under implementation and the projects for which gas has been allocated, the likely gap between projected consumption and estimated production in the terminal year of the Eighth Plan (1996-97) would be about 19.65 lakh tonnes in the case of Nitrogen and about 22.21 lakh tonnes in the case of Phosphate. The entire demand of Potash will have to be met through imports as there are no known exploitable reserves of Potash in the country.

(b) The value of foreign exchange outgo for import of fertilizers will depend upon the quantities of various types of fertilizers to be imported during the respective years and the prevailing international prices.

(c) Yes, Sir.

उर्वरकों का उत्पादन और उनकी खपत

730. **श्री अजीत जोगी :**

श्री राजू भाई ए० परमार :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान और चालू वर्ष में अब तक देश में उर्वरकों का प्रति वर्ष राज्यवार कितना-कितना उत्पादन हुआ और कितनी-कितनी खपत हुई है ;

(ख) इसी अवधि के दौरान उर्वरकों के आयात पर प्रतिवर्ष कितना-कितना व्यय किया गया है और 1992–93 के दौरान उर्वरकों के आयात के लिए कितनी धन-राशि की आवश्यकता है; और

(ग) देश को उर्वरकों के उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के लिए क्या-क्या कदम उठाए जा रहे हैं ?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चिन्ता मोहन) : (क) गत तीन वर्षों के दौरान तथा चालू वर्ष में अब तक (जन 1992 तक) देश में उर्वरकों का राज्यवार उत्पादन तथा पिछले तीन वर्षों के दौरान उपभोग अनुपत्र [देखिए परिशिष्ट सं० 164, अनुपत्र सं० 19] में दिया गया है। तथापि चालू वर्ष 1992–93 में अब तक के दौरान खपत के राज्यवार ब्यौरे उपलब्ध नहीं हुए हैं।

(ख) वर्ष 1989–90, 1990–91 तथा 1991–92 के दौरान उर्वरकों के आयात पर किया गया व्यय क्रमशः 1538.77 करोड़, 1335.82 करोड़ 1934.65 करोड़ रुपए हैं। 1992–93 के दौरान उर्वरकों के आयात के लिए आवश्यक राशि आयात किए जाने वाले विभिन्न उर्वरकों की मात्रा तथा उनके अंतर्राष्ट्रीय मूल्यों पर निर्भर करेगी। तथापि 1992–93 के दौरान मांग और स्वदेशी आपूर्ति के बीच अंतर को पूरा करने के लिए अपेक्षत राशि न्यूनाधिक रूप से 1991–92 में व्यय के स्तर के लगभग होने की आशा है।

(ग) मांग एव उत्पादन की बीच के अंतर को कम करने के लिए आठवीं योजना के एक भाग के रूप में प्राकृतिक गैस और अन्य फीडस्टाक उपलब्ध होने पर नए एकक लगाने, चालू एककों के विस्तार तथा चालू संयंत्रों के आधुनिकीकरण/पुनर्वास तथा रेट्रोफिट करने के संबंध में अनेक परियोजनाओं की शिनाख्त की गयी है। तथापि अच्छे किस्म के रांक फास्फेट भण्डार के अभाव के कारण फास्फेटिक उर्वरकों में आत्मनिर्भरता की निकट भविष्य में सम्भावना नहीं है। पोटास का हर हालत में आयात करना होगा क्योंकि देश में पोटास का दोहन योग्य कोई ज्ञात भण्डार नहीं है।

Connection between drug units

731. SHRI H. HANUMANTHAPPA:

SHRI RAJNI RANJAN SAHU:

SHRIMATI SATYA BAHIN:

Will the PRIME MINISTER be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 372 given in the Rajya Sabha on 30th April, 1992 and state:

(a) what is the meaning of connection between organised sector units and small scale sector drug unit for the purpose of availing exemption from price control under DPCO, 1987;

(b) whether this connection or independent small scale sector unit has been defined anywhere and if not, what is the interpretation of Government on this issue;

(c) whether it is a fact that such small scale sector units are charging two to three times more than Government approved prices for organised sector units; and

(d) the number of cases of connection and non-independence of small scale sector units detected and what were the products involved?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI CHINTA MOHAN): (a) and (b) As already stated in reply to parts (a) and (b) of Rajya aSbha Unstarred Question No. 372 answered on 30-4-1992, the exemption to small scale sector units in respect of Category II formulations under DPCO, 1987 is aimed towards encouraging this sector in the production of drugs and formulations. The exemption order S.O. 719(E) dated 21-7-1988 is, subject to the following conditions, *inter-alia*:

(i) It is an independent unit/company and not a subsidiary of or